पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

खण्ड–XXX अंक–22 30 नवम्बर, 2025

जग बहु नर सर सरि सम भाई। जे निज बाढ़ि बढ़हिं जल पाई।।
सज्जन सकृत सिंधु सम कोई। देखि पूर बिधु बाढ़इ जोई।।

हे भाई ! जगत में तालाबों और नदियों के समान मनुष्य ही अधिक हैं, जो जल पाकर अपनी ही बाढ़ से बढ़ते हैं (अर्थात् अपनी ही उन्नति से प्रसन्न होते हैं) समुद्र–सा तो कोई एक बिरला ही सज्जन होता है जो चन्द्रमा को पूर्ण देखकर (दूसरों का उत्कर्ष देखकर) उमड़ पड़ता है।। **–श्रीरामचरितमानस/7**

सह संकायाध्यक्ष (अवसंरचना-नवीनीकरण) के कार्यकाल में विस्तार

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/AREG/4(3)/2025/468886 दिनांक 28.11.2025 के अनुसार निदेशक महोदय ने **प्रो. हर्षा कोटा, सिविल इंजीनियरी विभाग,** सह संकायाध्यक्ष, (अवसंरचना-नवीनीकरण) के कार्यकाल में 11 दिसम्बर, 2025 से 10 दिसम्बर, 2026 तक विस्तार किया है।

ट्रायस्ट-2026 के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष की नियुक्ति

सहायक कुलसचिव समन्वय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/8502/1/2025/CDN-Part (1)/168 दिनांक 19.11.2025 के अनुसार निदेशक महोदय ने निम्नलिखित संकाय सदस्यों को ट्रायस्ट-2026 के लिए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है।

1. **प्रो. अनूप सिंह** (जैव चिकित्सा इंजीनियरी केन्द्र) — अध्यक्ष
2. **प्रो. अगम गुप्ता** (प्रबंध अध्ययन विभाग) — उपाध्यक्ष

अध्यक्ष, जैव चिकित्सा इंजीनियरी केन्द्र की नियुक्ति

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/AREG/4(3)2025/468394 दिनांक 26.11.2025 के अनुसार निदेशक महोदय ने 01 दिसम्बर, 2025 से अगले दो वर्ष के लिए **प्रो. तपन के. गांधी** (विद्युत इंजीनियरी विभाग) को जैव चिकित्सा इंजीनियरी केन्द्र में अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है।

स्वागत

- स्थापना अनुभाग- II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/Estt-2/2025/464129 दिनांक 11.11.2025 के अनुसार **श्री राजेश कुमार** ने 03.11.2025 से संस्थान मे सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–10 में सहायक कार्यपालक अभियन्ता (सिविल) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से निर्माण अनुभाग में नियुक्त किया गया है।
- स्थापना अनुभाग- II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/1432(4)/2025/स्था.–2/दिनांक 19.11.2025 के अनुसार **श्री दीपक त्यागी** ने 11.11.2025 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–10 में सहायक कार्यपालक अभियन्ता (विद्युत) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से निर्माण अनुभाग में नियुक्त किया गया है।
- स्थापना अनुभाग- II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/1582(3)/2025/स्था.–2 दिनांक 20.11.2025 के अनुसार **श्री विवेक यादव** ने 06.11.2025 से संस्थान मे सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–6 में कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से निर्माण अनुभाग में नियुक्त किया गया है।

सेवानिवृत्तियाँ

संस्थान के निम्नलिखित स्टाफ सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर 30 नवम्बर, 2025 को अपराह्न में संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे हैं :–

डॉ. लिली खोसा (26249), मुख्य चिकित्सा अधिकारी (SAG), संस्थान अस्पताल

डॉ. लिली खोसा ने 31 मार्च, 1992 को संस्थान में सहायक चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01 अप्रैल, 1996 में आपको चिकित्सा अधिकारी के रूप में चयनित एवं मैप किया गया। 31 मार्च, 2000 को आर. ऐन्ड सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको चिकित्सा अधिकारी (वरिष्ठ वेतनमान) के रूप में चयनित किया गया। 29 अक्टूबर, 2008 को डी.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको चिकित्सा अधिकारी (वरिष्ठ वेतनमान) के रूप में उन्नयन

दिया गया। 31 मार्च, 2012 को डी.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको उन्नयन दिया गया। 22 सितम्बर, 2015 में आपको डी.ए.सी.पी. के अर्न्तगत मुख्य चिकित्सा अधिकारी (SAG) के रूप में पदनामित किया गया।

सदैव अपने मरीजों की देखभाल में लगी रहने वाली डॉ. लिली खोसा अपने मिलनसार व मृदु स्वभाव के कारण अपने संकाय व स्टाफ सदस्यों के बीच अत्यंत लोकप्रिय डॉक्टर रही हैं।

श्री आनन्द प्रकाश (25804), उप कुलसचिव, औ.अनु. एवं विकास एकक

श्री आनन्द प्रकाश ने 28 दिसम्बर, 1990 को संस्थान में आशुलिपिक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 19 अप्रैल, 1993 को आर.एण्ड सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको वरिष्ठ आशुलिपिक के रूप में नियुक्त एवं सचिव-II के रूप में मैप किया गया। 01 मई, 1998 को आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको कनिष्ठ अधीक्षक के रूप में मैप किया गया तथा 01 मई, 2005 को अधीक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया। 19 अप्रैल, 2013 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको लेवल-08 में उन्नयन दिया गया। 08 मई, 2019 को आपको सहायक कुलसचिव के रूप में चयनित किया गया। 8 मई, 2024 को आर.आर. के अन्तर्गत आपको लेवल-11 में उन्नयन दिया गया। 31 दिसम्बर, 2024 को आपको आर.आर. के अन्तर्गत लेवल-12 में उप कुलसचिव के रूप में पदोन्नत किया गया।

अपने कार्यालयीन कार्यों के अलावा, आपने संस्थान में कई अन्य कार्यों में अपना अहम योगदान दिया और आपने कई अवॉर्ड भी अर्जित किए। कोविड अवधि के दौरान 2021 मे बनाई गई इंस्टिट्यूट इनफॉर्मल बेनवोलेंट स्कीम के आप कोषाध्यक्ष रहे और परिसर में काम करने वाले श्रमिकों की मदद की। संस्थान में उत्कृष्ट सेवा के लिए वर्ष 2009 में सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी अवार्ड, 2015 में उत्कृष्ट कर्मचारी अवार्ड तथा 2025 में लाइफटाइम अवार्ड भी प्राप्त किया।

वर्ष 2020 से संस्थान कर्मचारी कल्याण समिति के सचिव पद पर कार्यरत रहे। 2011 से 2013 तक आई.आई.टी. एम्प्लॉइज थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट सोसाइटी के सचिव और 2009 में उपाध्यक्ष रहे।

आप 1995 से सभी इंटर–आई.आई,टी. स्टाफ स्पोर्ट्स मीट में लगातार हिस्सा लेते रहे, 2017 से वॉलीबॉल कैप्टन और एक बार लॉन टेनिस प्लेयर कैप्टन भी रह चुके हैं। आपको 2013 में, वॉलीबॉल में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अवार्ड, 2024 में लाइफटाइम स्पोर्ट्सपर्सन अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। आपने इंटर–आई.आई.टी. स्टाफ स्पोर्ट्स मीट के दौरान आई.आई.टी. दिल्ली से दो से तीन बार टीम और सह–टीम लीडर के तौर पर काम किया। 2023 में आई.आई.टी. दिल्ली में हुए इंटर–आई.आई.टी. स्टाफ स्पोर्ट्स मीट के दौरान आयोजक सचिव के तौर पर भी काम किया।

सौम्य स्वभाव के श्री आनन्द प्रकाश एक कर्मठ एवं मेहनती उप कुलसचिव रहे हैं।

श्री महिपाल सिंह (26333), सहायक कार्यपालक अभियन्ता, निर्माण अनुभाग

श्री महिपाल सिंह ने 12 मई, 1994 को संस्थान में फोरमैन (विद्युत) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01 मई, 1998 को आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत फोरमैन के रूप में किया गया तथा 01 जून 2006 को आपको वरिष्ठ फोरमैन के रूप में पदोन्नत किया गया। 12 मई, 2014 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको पीबी–2 के ग्रेड वेतन 5400/–रु. में उन्नयन दिया गया तथा 12 मई, 2024 को लेवल–10 में उन्नयन दिया गया। 31 दिसम्बर, 2024 को आर. ऐन्ड पी.आर. के अन्तर्गत आपको लेवल–10 में सहायक कार्यपालक अभियन्ता के रूप में पदोन्नत किया गया। श्री महिपाल सिंह एक कर्मठ एवं मेहनती सहायक कार्यपालक अभियन्ता रहे हैं।

श्री श्रीपाल (26641), ड्राइवर, परिवहन एकक

श्री श्रीपाल ने 24 जनवरी, 1990 को संस्थान में ग्रुप 'डी' अटेन्डेन्ट के रूप में 800-1150/–रु. के वेतनमान में कार्यभार ग्रहण किया था। 01 फरवरी, 1998 को आर. ऐन्ड सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको 3050-4590/–रु. के वेतनमान में चयनित किया गया। 16 दिसम्बर, 2003 में आपको 3200-4900/–रु. के वेतनमान में ड्राइवर (ग्रेड-II), के रूप में नियुक्त किया गया। 16 दिसम्बर, 2013 में आपको एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत वेतन बैण्ड–1 ग्रेड वेतन 2400/–रु. में उन्नयन दिया गया। 16 दिसम्बर, 2023 को आर. ऐन्ड पी.आर.एस. के अन्तर्गत आपको लेवल–5 में उन्नयन दिया गया।

श्री श्रीपाल एक कर्मठ एवं मिलनसार व्यक्तित्व के ड्राइवर रहे हैं।

संस्थान समुदाय उपरोक्त स्टाफ सदस्यों को भावभीनी विदाई देते हुए उनके व उनके परिवार के लिए सुख, समृद्धि एवं शांतिमय जीवन की कामना करता है।

आई.आई.टी. दिल्ली अस्पताल में टीकाकरण सेवाएँ प्रारम्भ

संस्थान के अस्पताल से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार साउथ डिस्ट्रिक्ट, दिल्ली के CDMO ऑफिस और जिला टीकाकरण अधिकारी (DIO) की मदद से आई.आई.टी. दिल्ली अस्पताल में टीकाकरण सेवाएँ 01 दिसंबर, 2025 (सोमवार) से आरम्भ होगी। मातृत्व एवं शिशु कल्याण केन्द्र (MCW), हौज़ खास की एक टीम प्रत्येक महीने के प्रथम सोमवार को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक टीकाकरण के लिए आई.आई.टी. दिल्ली अस्पताल आएगी। योग्य लाभार्थियों को केवल राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के माध्यम से निर्धारित वैक्सीन एंटीजन ही दिए जाएंगे।

सभी से अनुरोध है कि वे अपने पिछले टीकाकरण रिकॉर्ड और एक मान्य सरकारी ID साथ लाएं ताकि वैक्सीनेटर UWIN पोर्टल पर टीकाकरण रिकॉर्ड अपडेट कर सकें।

उच्च शिक्षा संस्थानों के माध्यम से ग्रामीण भारत को बदलने के लिए "उन्नत भारत अभियान" के सफलतापूर्ण 11 वर्ष

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की एक राष्ट्रीय पहल "उन्नत भारत अभियान (UBA)" ने 11 नवंबर, 2025 को अपना स्थापना दिवस मनाया। यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा संस्थानों (HEI) की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से ग्रामीण भारत को बदलने के प्रति समर्पण के ग्यारह वर्षों को दर्शाता है।

11 नवंबर, 2014 को शिक्षा मंत्रालय ने तत्कालीन भारत के राष्ट्रपति की अध्यक्षता में यू.बी.ए कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। आई.आई.टी. दिल्ली कार्यक्रम लॉन्च के बाद से ही यू.बी.ए का राष्ट्रीय समन्वयक संस्थान (नेशनल कोऑर्डिनेटिंग इंस्टीट्यूट) रहा है।

शिक्षा मंत्रालय के मार्गदर्शन में यू.बी.ए. ने शैक्षणिक और ज़मीनी स्तर पर लोगों के बीच मध्यस्थता का कार्य किया है तथा प्रौद्योगिकी स्थानान्तरण, ग्रामीण उद्यमिता और नीति–संबंधी शोध को बढ़ावा दिया है। इस पहल ने कई सफलता की कहानियां गढ़ी है–सोलर माइक्रोग्रिड और बायोगैस यूनिट से लेकर बाजरा–आधारित उद्यमों और कौशल प्रशिक्षण केंद्र तक–जो समावेशी विकास के रूप में HEIs की क्षमता को दिखाते हैं।

यू.बी.ए. के स्थापना दिवस पर, पूरे भारत में 1,100 से ज्यादा संस्थानों ने कई कार्यक्रम किए, जिनमें 20,000 से ज्यादा विद्यार्थियों, संकायों और ग्रामीणों ने हिस्सा लिया।

यू.बी.ए. प्रकोष्ठों ने विलेज इमर्शल कैम्पस समुदाय जागरूकता अभियान, ग्रामीण नवाचार प्रदर्शनियों, पारंपरिक ज्ञान कार्यशालाओं और युवा विलेज डायलॉग जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए। इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों को गांव की वास्तविक ज़िंदगी के बारे में बताया और विकसित भारत @ 2047 के राष्ट्र से जुड़े नए मॉडल दिखाए।

आई.आई.टी. दिल्ली में हुए स्थापना दिवस समारोह में, यू.बी.ए. के राष्ट्रीय समन्वयक प्रो. वीरेंद्र कुमार विजय; एन.सी.आर. की आर.सी.आई. (रीजनल कोऑर्डिनेटिंग इंस्टीट्यूशन) यू.बी.ए. समन्वयक प्रो. पूजा घोष; खुरमपुर गांव की यू.बी.ए. पी.आई. की समन्वयक प्रो. संगीता कोहली; और एन.एस,एस प्रभारी प्रो. अंकेश जैन ने दर्शकों को संबोधित किया और आई.आई.टी. दिल्ली के विद्यार्थियों के साथ यू.बी.ए. ग्राम समूह में विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की।

यू.बी.ए. के राष्ट्रीय समन्वयक प्रो. वीरेंद्र कुमार विजय ने शिक्षा मंत्रालय और सहभागी संस्थानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "यू.बी.ए. की सफलता तकनीक को जोड़ने से पहले दिलों को जोड़ने में है–यह सुनिश्चित किया जाए कि भारत के युवा गांवों को पिछड़ी जगहों के तौर पर न देखें, बल्कि नवाचार, संस्कृति और लचीलेपन की जीती–जागती प्रयोगशालाओं के तौर पर देखें।"

यू.बी.ए. अपने बारहवें वर्ष की शुरुआत कर रहा है, यह ग्राम स्वराज और आत्मनिर्भर भारत के आदर्शों को साकार करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत कर रहा है और देश के उच्च शिक्षा संस्थानों की सामूहिक शक्ति के माध्यम से एक आत्मनिर्भर, ज्ञान–संचालित और टिकाऊ ग्रामीण भारत की ओर बढ़ रहा है।

2014 में अपनी शुरुआत के बाद से, यू.बी.ए. एक तेज़ी से आगे बढ़ने वाला राष्ट्रीय आंदोलन बन गया है जो भारत के उच्च शिक्षा इकोसिस्टम को गांवों से जोड़ता है– ज्ञान और तकनीक के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा, नवाचार और सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देता है।

मात्र एक दशक से ज्यादा समय में, यू.बी.ए. का नेटवर्क बढ़कर 4600 सहभागी संस्थानों तक पहुँच गया है, जो सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 22,000 गांवों को जोड़ता है। इस कार्यक्रम ने देशभर के विश्वविद्यालयों, आई.आई.टी., एन.आई.टी. और कॉलेजों के दस लाख से ज्यादा विद्यार्थियों और 25,000 संकाय सदस्यों को परस्पर जोड़ा है, जो चुनौतियों की पहचान करने और टिकाऊ स्थानीय समाधान करने के लिए ग्रामीण समुदायों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हैं।

इसका मुख्य लक्ष्य मूल सिद्धांत ज्ञान और नवाचार के माध्यम से ग्रामीण भारत को बदलना है, साथ ही विद्यार्थियों में सामाजिक ज़िम्मेदारी की गहरी भावना और भारत के पारंपरिक ज्ञान के प्रति सम्मान पैदा करना है। युवाओं की क्लासरूम पढ़ाई को ज़मीनी हकीकत के साथ जोड़कर यू.बी.ए. ग्रामीण बदलाव लाने में मदद करता है, जिसमें खेती, ऊर्जा, जल प्रबंधन और स्वास्थ्य में आधुनिक विज्ञान को देसी तरीकों के साथ मिलाया जाता है।

आरोग्य स्वास्थ्य वार्ता श्रृंखला के 8वें सत्र ''ऑस्टियोपोरोसिस को समझना'' का सफल आयोजन

आई.आई.टी. दिल्ली अस्पताल से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आई.आई.टी. दिल्ली अस्पताल एवं अकादमिक आउटरीच कार्यालय की पहल 'आरोग्य स्वास्थ्य वार्ता' का 8वां सत्र **"ऑस्टियोपोरोसिस को समझना : रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और समग्र देखभाल"** डॉ. भावुक गर्ग (हड्डी रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली) के विशेषज्ञ व्याख्यान के साथ 27.11.2025 को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

डॉ. भावुक गर्ग ने ऑस्टियोपोरोसिस के कारणों और लक्षणों की बहुमूल्य जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि हम अपने जीवनशैली और संतुलित आहार से ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या को नियंत्रित कर सकते हैं और पोषण, व्यायाम एवं जीवनशैली में सुधार के साथ–साथ आधुनिक उपचार विधियों से ऑस्टियोपोरोसिस बीमारी की रोकथाम कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, संकायों, कर्मचारियों और उनके परिवारों द्वारा अनेकों ज्ञानवर्धक एवं विचारोत्तेजक प्रश्न पूछे गए और वक्ता द्वारा बहुमूल्य जानकारी प्रदान की गई।

आई.आई.टी. दिल्ली अस्पताल एवं अकादमिक आउटरीच कार्यालय ने सभी प्रतिभागियों, विशेषकर डॉ. भावुक गर्ग का हृदय से आभार वक्त किया, जिन्होंने इस सत्र को ज्ञानवर्धक एवं यादगार बनाया। आशा व्यक्त की कि आरोग्य श्रृंखला के अगले सत्र में प्रतिभागियों की सहभागिता और भी बेहतर कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करेगी।

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत अनिवार्य रुप से द्विभाषी जारी किए जाने वाले कागजात

1 सामान्य आदेश/General Orders
2 संकल्प/Resolution
3 परिपत्र/Circulars
4 नियम/Rules
5 प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन/ Administrative or other reports
6 प्रेस विज्ञप्तियाँ /Press Release/ Communiques
7 संविदाएँ /Contracts
8 करार/Agreements
9 अनुज्ञप्तियाँ/Licences
10 निविदा प्रारुप/Tender Forms
11 अनुज्ञा पत्र/Permits
12 निविदा सूचनाएँ/Tender Notices
13 अधिसूचनाएँ/Notifications
14 संसद के समक्ष रखे जाने वाले/प्रतिवेदन तथा कागज पत्र/ Reports and documents to be laid before the Parliament

राजभाषा हिन्दी के अनुसार राज्यों का वर्गीकरण

(I) क्षेत्र क – बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड़, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र।

(ii) क्षेत्र ख – गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब राज्य तथा चंडीगढ़, दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र।

(iii) क्षेत्र ग – खंड (i) और (ii) में निर्दिष्ट राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से भिन्न राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्र।

राजभाषा नियम 1976 नियम 5

राजभाषा नियम 1976 के नियम 5 के अनुसार हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर आवश्यक रूप से हिंदी में दिया जाना अनिवार्य है। अतः सभी विभाग/ केन्द्र/अनुभाग/प्रकोष्ठ/एकक आदि के अध्यक्षों से अनुरोध है कि हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों का उत्तर केवल हिंदी में दें और उनका रिकॉर्ड रखें।

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com